Marking Scheme

BSEH Model Paper (2026-2027)

CLASS: 11th (Sr. Secondary) **Code: A**

Roll No. | | | | | | | | | | |

हिंदुस्तानी संगीत वादन

(Hindustani Music Instrument) Melodic

(Hindi and English Medium)

ACADEMIC / OPEN

(Time allowed: 2½ hours) (Maximum Marks: 30)

खंड (1) वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न

Section (1) Objective type questions

.....

प्रश्न 1. राग यमन किस थाट का राग है?

प्रश्न 2. संगीत रत्नाकर के रचयिता कौन हैं?

प्रश्न 3 सप्तक में कुल __ स्वर होते हैं।

प्रश्न 4. रूपक ताल में __ मात्राएँ होती हैं।

प्रश्न 5. अभिकथन A): राग में कम से कम पाँच स्वर होने चाहिए।
कारण R): चार स्वरों से राग नहीं बनता।

A) दोनों सत्य हैं तथा कारण सही है।
B) दोनों सत्य हैं पर कारण सही नहीं है।
C) A सत्य, R असत्य।
D) A असत्य, R सत्य।

प्रश्न 6. अभिकथन A): कहरवा ताल मात्राओं की होती है।
कारण R): इसका विभाजन होता है।

A) दोनों सत्य हैं तथा कारण सही है।
B) दोनों सत्य हैं पर कारण सही नहीं है।
C) A सत्य, R असत्य।
D) A असत्य, R सत्य।
D) एक शब्द में उत्तर

प्रश्न 7. नाद के कितने प्रकार होते हैं?

प्रश्न 8 राग आसावरी किस थाट का राग है?

उत्तर 01 B) कल्याण

उत्तर 02 B) शारंगदेव

उत्तर 03 सप्तक में कुल **7** स्वर होते हैं

उत्तर 04 रूपक ताल में **7** मात्राएँ होती हैं।

उत्तर 05 A) दोनों सत्य हैं तथा कारण सही है।

उत्तर 06 A) दोनों सत्य हैं तथा कारण सही है।

उत्तर 07 दो आहत एवं अनाहत

उत्तर 08 आसावरी थाट

खंड (2) अति लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (2) Very short answer type questions

प्रश्न 9. संगीत की परिभाषा लिखिए। **अथवा** नाद की परिभाषा लिखिए।

प्रश्न 10. गत क्या है? **अथवा** झाला क्या है?

प्रश्न 11. थाट की परिभाषा लिखिए। **अथवा** राग की दो विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 12. लय तथा ताल में अंतर लिखिए। **अथवा** श्रुति क्या है?

उत्तर 9. संगीत की परिभाषा गीत, वादन तथा नृत्य के समन्वय को संगीत कहते हैं। **या** नियमित एवं मधुर ध्वनि को नाद कहते हैं।

उत्तर 10. गत वाद्य संगीत में निश्चित ताल में बजाई जाने वाली रचना को गत कहते हैं। **या** झाला वादन का तीव्र गति वाला अंतिम भाग है।

उत्तर 11. थाट सात स्वरों के क्रमबद्ध समूह को थाट कहते हैं।

उत्तर 12. लय तथा ताल

लय गति

ताल मात्राओं का निश्चित चक्र

खंड (3) लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (3) short answer type questions

प्रश्न 13. उत्तरी एवं दक्षिणी भारतीय स्वरलिपि पद्धति में तीन अंतर लिखिए।

अथवा

स्वरलिपि पद्धति के लाभ लिखिए।

प्रश्न 14 राग यमन का परिचय लिखिए।

आरोह, अवरोह, वादी, संवादी, पकड़

अथवा

राग जौनपुरी का परिचय लिखिए।

प्रश्न 15 पं रविशंकर का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए।

अथवा

पन्नालाल घोष का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए।

उत्तर 13. भातखंडे एवं पलुस्कर स्वरलिपि में अंतर। दोनों पद्धतियों के तीन अंतर।

उत्तर 14 राग यमन

थाट – कल्याण

जाति – सम्पूर्ण

वादी – ग

संवादी – नि

आरोह – नि रे ग म तीव्र प ध नि सां

अवरोह – सां नि ध प म तीव्र ग रे सा

पकड़ – नि रे ग रे सा

उत्तर 15 पं रविशंकर विश्व प्रसिद्ध सितार वादक ,भारत रत्न सम्मान प्राप्त। भारतीय संगीत का विश्वभर में प्रचार प्रसार किया। **या**

पन्नालाल घोष, प्रसिद्ध बाँसुरी वादक । शास्त्रीय संगीत में बड़ी बाँसुरी का प्रचलन किया। भारतीय संगीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

खंड (4) दीर्घ उत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (4) Long answer type questions

प्रश्न 16. वैदिक काल से वीं शताब्दी तक भारतीय संगीत के विकास का वर्णन कीजिए तथा 'संगीत रत्नाकर' का महत्व बताइए।

अथवा

राग आसावरी का विस्तृत परिचय लिखिए तथा उसका आरोह , अवरोह, पकड़, दो आलाप एवं दो तोड़े लिखिए।

उत्तर 16. वैदिक काल से वीं शताब्दी सामवेद में संगीत का प्रारम्भ। भरतमुनि का नाट्यशास्त्र। मतंग मुनि का बृहद्देशी । शारंगदेव का संगीत रत्नाकर । संगीत रत्नाकर का महत्व।

या

राग आसावरी

थाट – आसावरी

वादी – ध

संवादी – ग

आरोह – सा रे म प ध सा

अवरोह – सा नि कोमल ध कोमल प म ग कोमल रे सा

पकड़ – रे म प ध, म ग रे सा

दो सरल आलाप

दो सरल तोड़े